सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर बीदासर में पांचवे दिन भी धरना-प्रदर्शन जारी

सीकर-नोखा स्टेट हाईवे पर सैंकड़ों आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने धरना देकर जाम लगाया

बीदासर, (निसं)। सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग पूरी नहीं होने पर बुधवार को पांचवे दिन भी जनहित संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में लोगों का विरोध-प्रदर्शन जारी रहा। सीकर-नोखा स्टेट हाईवे पर कस्बे के पुराना बस स्टेण्ड पर पार्षद बेगराज नाई के नेतृत्व में मोर्चा के सैंकड़ों आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने धरना देकर जाम लगा दिया। इस दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री गहलोत और विधायक मनोज मेघवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर आक्रोश जताया तथा सुजानगढ़ को जिले का गौरव लौटाने की मांग की।

उन्होंने स्टेट हाईवे से जुडे हुये सभी मार्गों को जाम रखा। इससे पूर्व मंगलवार की पूरी रात भी हाइवे जाम रखा और कार्यकर्ता धरने पर डटे थे। जाम के कारण चारों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और यातायात प्रभावित हुआ। वाहन चालकों व कस्बेवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान कस्बे में पूर्णतया शांति बनी रही। धरना स्थल के पास पुलिस जाप्ता तैनात रहा। धरने पर भाजपा नेता बीएल भाटी, पवन महाराज, जुल्फीकार रिणीवाल, विमल टेलर, विहिप के जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद सिंह राजपुरोहित, बजरंग दल सयोजक धनराज सैन, दीपाराम सारण, छात्रनेता सांवरमल पारीक, सुरेन्द्र सुथार सहित सैकड़ों नागरिक उपस्थित थे। देर शाम कार्यकर्ताओं ने रास्ता खोल दिया।

बंद रहे बाजार:- सुजानगढ़ को जिला नहीं बनाने के विरोध में व्यापार मण्डल बीदासर के आ ान पर बुधवार को कस्बे के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। बंद के दौरान मेडिकल स्टोर, सब्जी बाजार व चाय पानी की दुकानें व बस स्टेण्ड की भी सभी दुकानें भी पूर्णतया बंद रही। बंद के कारण रोजमर्रा की वस्तुएँ खरीदने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं बंद को देखते हुये पुलिस चाकचौबंद रही तथा बाजार में पुलिस की गश्त जारी रही।

- **बीदासर में पानी की टंकी पर चढ़े तीन युवक, बंद रहे बाजार**

सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर पाँच दिन से जारी धरना प्रदर्शनों के बीच दोपहर करीब तीन बजे भीम आर्मी के तहसील अध्यक्ष पंकज गुसाईवाल, गोविंद राम मेघवाल बीदासर व गोविंद मेघवाल दड़ीबा तीनों सीकर-नोखा स्टेट हाईवे पर स्थित जलदाय विभाग सहायक अभियंता कार्यालय में बनी पानी की टंकी पर चढ़ गये। तीन युवकों के टंकी पर चढ़ने की खबर ज्यौंही कस्बे में फैली तो सैंकड़ो लोग जलदाय विभाग कार्यालय के पास एकत्रित हो गये।

पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस उपअधीक्षक प्रहलाद राय, सब इंसपेक्टर पप्पूराम मीणा मय पुलिस जाप्ते के जलदाय विभाग कार्यालय पहंचकर टंकी पर चढ़े युवको से समझाईश की। लेकिन युवकों ने कहा जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होगी, तब तक नीचे नहीं उतरेंगे। करीब दो घण्टे बाद पुलिस उपाधीक्षक प्रहलाद राय, भीम आर्मी सेना के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र नोसरिया, शिक्षक मेघराज गुसाईवाल तथा परिवार के लोगों की समझाईश के बाद तीनों युवक टंकी से नीचे उतरकर अपने घर लौट गये।

पुराना बस स्टैंड पर धरने पर बैठे नागरिक।

नीमकाथाना जिला निर्माण के विरोध में मझाऊ और ढाणी मझाऊ में हुई विरोध सभा

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। नवनिर्मित नीमकाथाना जिला में उदयपुरवाटी व गुढागौड़जी तहसील शामिल के विरुद्ध गांव-गांव से आंदोलन की सुगबुगाहट शुरु हो चुकी है। इसी बीच सिंगनौर ग्राम पंचायत के गांव मझाऊ में पूर्व पंचायत समिति सदस्य जयंत मूंड के नेतृत्व में शिव मंदिर व मुख्य चौक पर विरोध सभा हुई। जिसमें ग्रामीणों ने एक आवाज में नीमकाथाना जिले के विरोध में आवाज बुलंद की। इस सभा में राज्य सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी हुई। मूंड ने बताया कि नए जिलों का गठन आमजन की सुविधा बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन हमें तो बहुत बड़ी दुविधा में डाल दिया। ग्राम पंचायत बड़ागांव से लेकर इंद्रपुरा तक के लोगों में इसको लेकर बड़ा जन आक्रोश है। हमारे साथी पूर्व पंसस रामावतार धींवा दो दिन से आमरण अनशन पर बैठे है। प्रशासन के कान पर जूं भी नही रेंग रही।

मूंड ने बताया कि ग्राम मझाऊ, ढाणी मझाऊ, सिंगनौर, धमोरा, धोलाखेड़ा, रघुनाथपुरा, पोषाणा आदि गांवों की नजदीकी गुढागौड़जी तहसील के साथ है। लेकिन भेदभावपूर्ण तरीके से हमें तहसील उदयपुरवाटी से जोड़ रखा है। नया जिला नीमकाथाना की दूरी, स्थलाकृति रुप से भिन्नताएं, भाषा, आवागमन, नाते-रिश्तेदारी सब ही अलग है। हमारी मुख्यमंत्री व क्षेत्रीय मंत्री से मांग है कि इस मसले का जल्दी से जल्दी निपटारा किया जाए। हमें यथावत झुंझुनूं जिले में रखा जाए अन्यथा इसके आंदोलनात्मक परिणाम भुगतने को तैयार रहे। ये आंदोलन जनांदोलन है। जिसमें पार्टी विशेष के लोग राजनीतिक रोटियां सेंकने की तैयारी कर रहे है। जो निंदनीय है। मूंड ने बताया कि हम सबको पार्टीबाजी छोड़कर एक जाजम पर आने की जरुरत है। 23 मार्च को सिंगनौर में होने वाली विरोध सभा के लिए मझाऊ व ढाणी मझाऊ में विरोध सभाएं की गई है। गुरूवार को सिंगनौर से ऐतिहासिक आंदोलन की शुरुआत करी जाएगी और जब तक जिला झुंझुनूं यथावत नहीं होगा। तब तक सड़कों पर आंदोलन लड़ेंगे।

- **पूर्व पंचायत समिति सदस्य जयंत मूंड ने भरी हुंकार, विरोध सभा कर दी चेतावनी**
- **नए जिलों का गठन आमजन की सुविधा बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन हमें तो बहुत बड़ी दुविधा में डाल दिया : मूंड**

इस विरोध सभा में रामनिवास जांगिड़, पूर्व पंचायत समिति झाबर सिंह मूंड, गोरुराम कुलहरि, नंदलाल भड़िया, कजोड़मल जांगिड़, रामावतार, ख्यालीराम, बनवारीलाल, रामकुमार भर्रा, मुकेश मूंड, लीलाधर देवठिया, राजेंद्र हवलदार, सांवरमल धायल, प्रदीप कुड़ी, हरिराम शर्मा, श्रीराम देवठिया, महिपाल जाखड़, रामनाथ कुलहरि, गिरधारीलाल, बजरंगलाल कुलहरि, मनीष शर्मा, महेंद्र दूत, राजेंद्र मूंड, योगी शर्मा, अंकित शर्मा, नरेंद्र देवठिया, पिंटू जांगिड़ आदि सहित अनेकों ग्रामवासी व नौजवान मौजूद थे।

जिला नहीं बनाने को लेकर गुड़ामालानी की जनता में रोष

गड़ामालानी, (निसं)। गुँड़ामालानी तहसील कार्यालय के सामने जिला संघर्ष समिति गुड़ामालानी की ओर से चलाई जा रही गुड़ामालानी को जिला बनाने की मांग एवं सरकार द्वारा गठित राम लुभाया कमेटी ने गुड़ामालानी को जिला बनाने का प्रस्ताव को प्रमाणित माना है। इसके बाद भी जिला नहीं बनाया गया है। इसको लेकर संघर्ष समिति ने बुधवार को बैठक आयोजित कर उपखंड अधिकारी गुड़ामालानी प्रमोद कुमार चौधरी एवं नायब तहसीलदार गुड़ामालानी लक्ष्मी चौधरी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया।

गुड़ामालानी जिला संघर्ष समिति बैठक को संबोधित करते हुए व्यापार मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम जैन ने कहा कि जिला संघर्ष समिति ने जिला बनाने की मांग पहले से उठाई गई थी। गुडामालानी में विकास को लेकर हमें एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। गुड़ामालानी जिला बनाने की पेरवी सही तरीके से नहीं करने के कारण आज हम पिछे रहे हैं।

किसान नेता प्रहलाद सियोल ने कहा कि जब-जब गुड़ामालानी कि जनता ने मांग रखी वो पुरी हुई। ऐसे में व्यापार मंडल एवं आमजन का सहयोग अति आवश्यक है। भाजपा नेता अमराराम बेनीवाल ने समय निकालकर आये सभी व्यापारियों एवं ग्रामीणो को धन्यवाद दिया। बैठक में आए कई जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने सम्बोधित कर अपने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में भारतीय किसान संघ प्रदेश अध्यक्ष दलाराम बटेसर,भाजपा नेता अमराराम बेनीवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम जैन,पहलाज सियोल, सुरेश बोथरा, अशोकसिंह राजावत, रिडमलराम देवासी, डॉ. अचलाराम चौधरी, दुर्गादास वैष्णव, हिमताराम आचार्य, किसान नेता खेताराम चौधरी एवं जिला संघर्ष समिति अध्यक्ष रिडमलराम चौधरी, शंकरलाल सुदेशा सहित गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अश्लील वीडियो बना युवती से किया सामूहिक दुष्कर्म

युवती की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर 6 आरोपियों को नामजद कर तलाश शुरू कर दी है

श्रीगंगानगर, (कासं)। श्रीगंगानगर क्षेत्र में 19 साल की युवती के साथ कुछ युवकों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने युवती के एक कॉलेज सहपाठी सहित छह युवकों को नामजद किया है।

पीड़िता की रिपोर्ट पर गांव 10 सरकारी के छिंदा सिंह व गोल्डी, मघेवाली ढाणी निवासी कुलदीप मेघवाल, विनोद नायक, दीपू नायक व आकाश के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी सीआई विक्रम चौहान ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की एक युवती ने रिपोर्ट में बताया कि गांव 10 सरकारी के दो युवकों छिंदा सिंह व गोल्डी ने फोन कर उसे गुरूद्वारा बुड्ढा जोहड़ मेले में जाने के बहाने से बुलाया। इस पर युवती घर से बताई हुई जगह पर पहुंच गई। गोल्डी गांव 2 एलसी हैड पर युवती को छोड़कर 7 एलसी की ओर चला गया और छिंदा उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। इसी दौरान गांव मघेवाली ढाणी निवासी कुलदीप मेघवाल व विनोद नायक वहां आ गए। कुलदीप भी पीड़िता के साथ कॉलेज में पढ़ता है। कुलदीप व विनोद ने छिंदा द्वारा युवती के साथ की जा रही अश्लील हरकतों का वीडियो बना लिया तथा वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दोनों युवकों ने युवती के साथ दुष्कर्म किया।

इस बीच मघेवाली ढाणी निवासी एक अन्य युवक दीपू नायक भी वहां आ गया। दीपू ने धमकी दी कि उसने कुलदीप मेघवाल व विनोद द्वारा दुष्कर्म किए जाने का वीडियो बना लिया और वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए दुष्कर्म किया। इस बीच छठा आरोपी मघेवाली ढाणी निवासी आकाश भी घटना स्थल पर पहुंच गया था।

कुलदीप व आकाश ने युवती को बाइक पर उसी जगह छोड़ दिया जहां पहले मिली थी। रास्ते में कुलदीप उतर गया। जबकि आकाश ने युवती को धमकी दी और मोबाइल नंबर ले लिया। तथा कहा कि बुलाने पर आ जाना वरना वह इस घटना की जानकारी लोगों को दे देगा। बाद में बेटी से पूरी वारदात की जानकारी मिलने के बाद पीड़िता की मां ने पुलिस को सूचना दी और पीड़िता ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

- **कॉलेज के एक सहपाठी ने फोन कर युवती को गुरूद्वारा बुड्ढा जोहड़ मेले में जाने के बहाने से बुलाया, जहां युवती के साथ अश्लील हरकतें की।**
- **इस घटना का कुछ अन्य युवकों ने वीडियो बनाया और सभी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती से दुष्कर्म किया।**

सूचना मिलते ही जैतसर पुलिस थाना सीआई विक्रम चौहान मौके पर पहुंचे। सीआई से सूचना मिलने के बाद एसपी परिस देशमुख, एडिशनल एसपी जयसिंह तंवर व सीओ किशनलाल बिजारणियां भी दलबल सहित मौके पर पहुंचे। देर रात तक पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। पुलिस ने एक आरोपी को राउंडअप कर लिया है। पुलिस आईजीएनपी सूरतगढ़ शाखा के आसपास के क्षेत्र में आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

झांसा देकर ठगी, तीन गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। नौकरी का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तारकिया गया हैं। तीनों बेरोजगारों को टारगेट बनाते थे। अपनी साथ युवती के जरिए सोशल मीडिया पर युवकों से दोस्ती करवाते थे। बेरोजगारों दस से पंद्रह रुपए फीस के नाम पर अपने बैंक खाते में डलवाते थे। इसके बाद बेरोजगार युवक के फोन पर एक एप डाउनलोड करवाकर खाते से रुपए निकलवा लेते थे। पुलिस टीम पिछले कुछ समय से ठगों को ट्रेक कर रही थी। मंगलवार को गिरफ्तारकर पांच दिन के रिमांड पर लिया गया। तीनों जयपुर में रह रहे थे। श्रीगंगानगर के सदर पुलिस थाना क्षेत्र के गांव सात एलएनपी निवासी संदीप सिंह पुत्र कौर सिंह ने 22 फरवरी को साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया था कि वह 17 फरवरी को फेसबुक पर नौकरी के लिए एडवरटाइजमेंट देख रहा था।

किसान सुरेन्द्र व प्रेम सिंह को पशुपालक अवॉर्ड मिला

जयपुर। जयपुर के दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान केन्द्र में राज्य स्तरीय पशुपालक सम्मान समारोह 2023 का आयोजन किया गया। बुधवार को हुए इस सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मुख्य अतिथि रहे। मुख्यमंत्री गहलोत ने जयपुर के किसान सुरेन्द्र अवाना और जोधपुर के किसान प्रेम सिंह राव को राज्य स्तरीय पशुपालक अवार्ड प्रदान किया।

इस पुरस्कार के तहत अवाना और राव को राज्य सरकार की ओर से 50-50 हजार रुपए की नकद राशि प्रदान की गई। वर्ष 2021-22 की घोषणा के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रगतिशील किसानों की तरह प्रगतिशील पशुपालकों को प्रोत्साहित करने का ऐलान किया था। पशुपालन के क्षेत्र में नवाचार करने वाले पशुपालकों को हर वर्ष राज्य स्तर, जिला स्तर और पंचायत समिति स्तर पर पुरस्कृत किया जाना तय हुआ था। इसके तहत बुधवार को राज्य स्तर पर 2 पशुपालकों, जिला स्तर पर 68 और पंचायत समिति स्तर पर 352 पशुपालकों को सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय अवार्ड पर पुरस्कार राशि के तहत 25-25 हजार रुपए और पंचायत समिति स्तरीय अवार्ड पर पुरस्कार राशि के तहत पशुपालकों को 10-10 हजार रुपए का चैक और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जयपुर जिले का पशुपालक अवार्ड किसान हरिकिशन गौरा को दिया गया जबकि सांभर पंचायत समिति का पुरस्कार रामेश्वर गौरा को प्रदान किया गया। इस दौरान कृषि मंत्री लालचंद कटारिया और राजस्थान गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष मेवाराम जैन मौजूद रहे।

वीरांगनाओं का अपमान कर सीएम को क्या मिला: डॉ. मीणा

जयपुर। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने वीरांगना ऊपर बयान देते हुए कहा कि सरकार ने नगर के कॉलेज का नाम पुलवामा में शहीद हुए जीतराम गुर्जर के नाम पर रखने की मंजूरी दे दी है। उनकी पत्नी 10 दिन तक सरकार के दरवाजे पर धरना देती रहीं, लेकिन उनकी मांगें सुनने की बजाय पुलिस ने दुर्व्यवहार किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीरांगना का अपमान कर क्या हासिल हुआ ?

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि सरकार को शहीद हेमराज मीणा के परिजनों की मांग भी माननी चाहिए। परिजन शुरुआत से सांगोद के अदालत चौराहे पर उनकी प्रतिमा स्थापित करने की मांग कर रहे हैं। अंत्येष्टि में गए मंत्रियों ने ऐसा करने का आश्वासन दिया। उनकी पत्नी मधुबाला मीणा इसी मांग को लेकर 10 दिन तक धरने पर रहीं। सरकार का तर्क है कि शहीद हेमराज मीणा की पहले से ही दो प्रतिमा स्थापित हैं, लेकिन इन्हें परिजनों की इच्छा के विपरीत सांसद व विधायक ने लगवाया है। एक भी प्रतिमा स्थापित नहीं करने वाली सरकार कह रही है कि तीसरी मूर्ति कैसे लगाएं। जबकि पूर्व में भी इस तरह के उदाहरण हैं।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि शहीद कैप्टन चंदर चौधरी की 3 प्रतिमाएं स्थापित हैं। एक प्रतिमा का लोकार्पण स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2003 में किया था। इनकी दूसरी प्रतिमा का लोकार्पण पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने 2008 में किया था। दूसरी प्रतिमा का लोकार्पण 2020 ने विधायक गिरधारीलाल ने किया।

मौसम का बदला मिजाज किसानों के लिए आफत, फसलों को नुकसान

अचानक मौसम बिगड़ने से ओलावृष्टि हुई जिसके चलते किसान काफी चिंतित है

भीलवाड़ा, (निसं)। गत दिनों प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला और उसका ख़ामियाजा उठाना पड़ा है औधोगिक नगरी भीलवाड़ा के किसानों को। अचानक मौसम बिगड़ने से ओलावृष्टि हुई जिसके चलते किसान काफी चिंतित है, क्योंकि ओले पड़ने से खेतों में पड़ी गेहूं, जौ और चना की फसल पूरी तरह से खराब हो चुकी है। ज़िले के शाहपुरा शहरी क्षेत्र में भी तेज आंधी तूफान के साथ कुछ देर तक रिमझिम बारिश का दौर चला। अचानक बारिश होने से मौसम में भी ठंडक आ गई, कोई किसान अपने घर से ओलों को हटाते दिख रहा है, ऐसी ही एक तस्वीर नजर आई जिले की शाहपुरा तहसील क्षेत्र की जहां डाबला चांदा, सारांश और बीलिया गांव में किसान अपने फावड़े से ओलों को समेटकर हटा रहा है।

अचानक बदले मोसम के मिज़ाज ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीर ला दी है। सबसे ज्यादा नुकसान की संभावना गेहूं की फसल में है। सरसों, चना, अरहर समेत रबी की दलहनी और तिलहनी फसलें भी बर्बाद हुई हैं। किसानों पर आफत बनकर बरसे इन बादलों ने किसानों की पूरे सीजन की मेहनत पर पानी फेर दिया है, इधर सरकार ने भी किसानों के लिए राहत अनुदान का ऐलान किया है। केंद्र सरकार की तरफ से कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने मदद का आश्वासन दिया है। उनका कहना है कि राज्य सरकारों से नुकसान की रिपोर्ट मिलते ही राष्ट्रीय आपदा राहत कोष में से मुआवजा दिया जाएगा।

गहलोत सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए राज्य में कार्यरत फसल बीमा कंपनियों के नाम और फोन नंबर जारी कर दिए हैं। किसान 72 घंटे के अंदर अपनी बीमा कंपनियों या कृषि अधिकारी को आवेदन के जरिए सूचित कर दें। पश्चिमी विक्षोभ के कारण अभी नुकसान का खतरा टला नहीं है। किसानों को सावधान रहने की सख्त जरूरत है, यदि खेतों में कटाई के बाद सुखाने के लिए रखी गई फसल 14 दिन के अंदर खराब हो गई है तो किसान क्लेम का हकदार होगा।

किसानों का कहना है कि इस साल तो किसानों से राम तो राम राज भी रूठ गया है रबी की फसलें दिसंबर माह से ही मावठ के कारण प्रभावित हो रही है जिससे फसलों का उत्पादन ओर गुणवत्ता दोनो प्रभावित हुई। कई किसानों के तो लागत भी नहीं निकल पाने से चितिंत है हर महिने में मावठ से फसले खराब होने के बावजूद सरकार नुकसान का आंकलन नहीं करवा रही है। ऐसे में किसानों ने प्रशासन के प्रति रोष जताते हुए बारिश ओलावृष्टि के कारण हुए नुकसान का सर्वे करवाकर उचित मुआवजा देने की मांग की है। जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा और कोटड़ी प्रधान करण सिंह ने भी क्षेत्र में प्रभावित किसानों के खेतों का निरीक्षण कार उचित मुआवज़ा दिलाने का आश्वाशन दिया है।

बेमौसम बरसात से किसान चिंतित

निवाई, (निसं)। शहर सहित उपखंड के गांवों में बुधवार की दोपहर बाद बेमौसम बरसात से खेतों में कटकर पड़ी हुई फसलें खराब हो गई। बेमौसम बरसात होने से फसलों की क्षति के कारण किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। इसी प्रकार शहर में बरसात होने से सड़कों पर पानी भर गया।

जानकारी के अनुसार बेमौसम बरसात होने से पकी हुई गेहूं, सरसों, चना आदि की फसल खराब हो गई। कई खेतों में खड़ी हुई फसल तेज अंधड़ के कारण झुक गई। हवा से फसलें खेत में गिर गई जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। फसल बर्बाद होने से किसानों में मायूसी छाई हुई है। किसानों ने फसल खराबे के मुआवजे की मांग की है।

डूंगरपुर में 15 मिनट तक हुई तेज बरसात

डूंगरपुर, (नि.सं.)। डूंगरपुर में दो दिन बाद गुरूवार को एक बार फिर मौसम में बदलाव आया और दोपहर में 15 मिनट तक बरसात हुई और फिर धूप खिल गई। हालांकि बादल छाए रहने और हवा चलने से मौसम खुशनुमा हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। उधर, बारिश की बाद एक बार फिर किसानों की चिंता बढ गई है।

डूंगरपुर में सुबह से ही बादल छाए हुए थे। दिन चढने के साथ ही तेज धूप के कारण गर्मी का असर बढा गया। दोपहर करीब 12.30 बजे अचानक मौसम ने करवट ली और घनघोर काले बादल छा गए। हवा चलने लगी और फिर बादलों की गर्जना के साथ ही पहले बूंदाबांदी शुरू हो गई। कुछ देर बाद ही तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। करीब 15 मिनट तक हुई तेज बरसात से सड़कों पर पानी बहने लगा। इसके बाद बारिश थम गई। हालांकि बादल छाए रहने और हवा चलने से मौसम ठंडा हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली।

- **हवा चलने से लोगों को गर्मी से मिली राहत, किसानों की बढ़ी चिंता**

पिता ने बेटे की हत्या की

हनुमानगढ़, (निसं)। मामूली कहासुनी में पिता ने चाकू से हमला कर नाबालिग बेटे की हत्या कर दी। आरोपी ने बीच-बचाव करने आई पत्नी के पेट में चाकू घोंप दिया। घटना हनुमानगढ़ के पीलीबंगा इलाके के कालीबंगा गांव की बुधवार की है। थाना प्रभारी विजय मीणा ने बताया कि 17 साल के विवेक की उसके पिता देवेंद्र जाट ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। बेटे को बचाने आई सरोज (40) पर भी आरोपी ने हमला किया। उसके घर पर हमेशा बाप-बेटों में लड़ाई होती रहती थी। बुधवार को सुबह साढ़े 8 से 9 बजे के बीचे खाना बनाकर वह घर का काम कर रही थी। घर में उसके पति देवेंद्र, बेटा विवेक और ससुर जिसुखराम मौजूद थे। उसका बेटा गंगानगर में पिता ने मामा के यहां घर पर मुहूर्त पर जाने के लिए तैयार हो रहा था। उसी दौरान उसके बेटे विवेक और उसके पति में कहासुनी होने लगी। दोनों आपस में मारपीट करने लगे। पीलीबंगा थाना प्रभारी विजय मीणा ने यह जानकारी दी।

अनूपगढ़ क्षेत्र में बेमौसम बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि किसानों पर कहर बनकर टूटी

अनूपगढ़, (निसं)। विधानसभा में देर रात्रि तेज हवा के साथ बरसात हुई और बरसात के साथ ओलावृष्टि भी हुई। क्षेत्र में तेज बरसात के साथ हुई ओलावृष्टि किसानों पर कहर बनकर टूटी है। आज सुबह जब किसान खेतों में पहुंचे तो उनकी फसल उन्हें तबाह हुई नजर आई। किसानों ने बताया कि ओलावृष्टि के कारण खेतों में खड़ी सरसों और गेहूं की फसल पूरी तरह गिर चुकी है जिससे बहुत अधिक नुकसान होने की संभावना है। किसानों ने बताया कि ओलावृष्टि के कारण लगभग 50 प्रतिशत से लेकर 70 प्रतिशत तक फसलों के खराब होने की संभावना है। प्रकृति के इस कहर को देखकर किसान मायूस हो गए हैं।

गांव रोजड़ी के किसान कमल यादव ने बताया कि क्षेत्र में रुक-रुक का बरसात होती रही और शुरुआती दौर में क्षेत्र में ओलावृष्टि भी हुई है। जब आज वह सुबह खेतों में गए तो देखा कि सरसों और गेहूं की फसल गिर चुकी है।उन्होंने बताया कि सरसों की फसलों की कटाई शुरू हो चुकी थी और गेहूं की फसल पकाव पर थी मगर ओलावृष्टि के कारण फसलों में काफी नुकसान हुआ है। रोजड़ी के अलावा घड़साना पंचायत समिति के गांव सखी सहित अन्य कुछ गांवों में भी फसलों के खराब होने की सूचना मिल रही है।

कृषि विभाग के सहायक निदेशक रामनिवास चौधरी ने बताया कि उन्हें किसानों से सूचना मिली है कि ओलावृष्टि से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि किसानों की सूचना पर टीम को मौके पर भेजा जाएगा और जांच करवाई जाएगी। कृषि विभाग के निदेशक रामनिवास चौधरी है सभी किसानों से अपील की है कि जिन किसानों की फसल खराब हुई है वह 72 घंटों से पहले फसल बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर पर इसकी सूचना जरूर दें ताकि उन्हें खराब हुई फसल की एवज में समय पर क्लेम मिल सके।